तो यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि इस पर हमारा इतना पैसा लगता है। जो जानवर 45 डिग्री में रहने वाले हैं, अगर हम उनको 5 डिग्री वाले स्थान पर ले जाकर छोड़ेंगे, तो यह नेचर के लिए अच्छा नहीं होगा। हम नेचर के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते।

सर, जहां तक टूरिज्म की बात है, तो जो NHAI, BRO या PMGSY है, उसमें इनको जंगल में forest dwellers के लिए infrastructure बनाना चाहिए, पगडंडी बनानी चाहिए, क्योंकि वे जंगल में पैदल चलते हैं। इनके नेचर के साथ हमें खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जंगल के लिए जानवर बहुत जरूरी हैं, नहीं तो हमें मनरेगा के तहत straw pick करवानी पड़ेगी, जबकि हमारे पास अभी मनरेगा की इतनी लेबरर्स नहीं हैं। इसलिए आपके माध्यम से मेरा सरकार को सुझाव है कि सदियों से हमारा जो ट्राइबल...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Gulam Ali: Shri Ram Chander Jangra (Haryana) and Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra). Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Mamata Mohanta (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

Demand to provide free education to the children of widows across the country

श्री अमर पाल मौर्य (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान देश भर में विधवा महिलाओं के बच्चों की संपूर्ण शिक्षा निःशुल्क करने की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

महोदय, देश भर में ऐसी माताएं-बहनें हैं, जिनके जीवन में ऐसी अनेक घटनाएं घटित हो जाती हैं, जिनकी भरपाई करना नामुमकिन हो जाता है। उस मां-बहन के जीवन में अंधकार तब छा जाता है, जब उसका पति कभी बीमारी के कारण, कभी दुर्घटना के कारण अकस्मात् ही इस संसार से चला जाता है और कभी उसकी स्वाभाविक मृत्यु हो जाती है। महोदय, उस परिवार पर क्या बीतता होगा? उसके पीछे उसके छोटे बच्चों एवं बुजुर्ग माता-पिता के जीवन में अंधकार छा जाता है। सरकार के द्वारा कई स्तरों पर, चाहे वह केंद्र सरकार के द्वारा या राज्य सरकारों के द्वारा कई प्रकार की सुविधाएं, जैसे पेंशन या दुर्घटना बीमा के तहत दुर्घटना से हुई मृत्यु पर कुछ राशि मुहैया करा दी जाती है, पर उनके बच्चों का जीवन संरक्षित नहीं हो पाता है, उन बच्चों का जीवन अंधकारमय ही रह जाता है। उन बच्चों को भी अपने जीवन में सपने संजोने की भरपूर इच्छा होती है। जब पिता की छत्रछाया रहती है तो वे सपने संजोते हैं और अपने मन में सपने गढ़ते हैं, उन बुलंदियों को पाने का आत्मविश्वास रखते हैं और उसे पूरा करते हैं।

महोदय, मेरा सरकार से निवेदन है कि ऐसे परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए। देश में कोई भी शिक्षण संस्थान हो, चाहे वह उच्च शिक्षा हो या निम्न शिक्षा हो, आईआईटी हो, मेडिकल कॉलेज हो या ट्रिपल आईटी हो, मैं डिमांड करता हूँ कि किसी भी प्रकार की शिक्षा प्रदान करने वाले इन संस्थानों में उन परिवारों के बच्चों को भी उनकी

योग्यता के अनुसार निःशुल्क एडमिशन देने की व्यवस्था की जाए। निश्चित ही, विकसित भारत के भविष्य में इन बच्चों की हिस्सेदारी तभी संभव हो पाएगी, जब इस व्यवस्था के प्रति हमारी सरकारों का ध्यान आकर्षित होगा। पिताजी के लिए समाज में बहुत प्रकार से लोगों ने बहुत कुछ कहा है। मैं कुछ पंक्तियों के माध्यम से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा:

"कभी अभिमान है तो कभी स्वाभिमान है पिता,
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
जन्म दिया है अगर मां ने जानेगा जग जिसे,
वह पहचान है पिता,
कभी कंधे पर बिठाकर मेला दिखाता है पिता,
कभी बनकर घोड़ा घुमाता है पिता...

अगर मां पैरों पर चलना सिखाती है, तो पैरों पर खड़ा होना सिखाता है, पिता। महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि ऐसे बच्चों की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था सरकार के द्वारा की जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Amar Pal Maurya: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Mamata Mohanta (Odisha), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Dr. Sasmita Patra (Odisha), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), and Shri Sant Balbir Singh (Punjab).

Yamuna flood water in parts of Rajasthan

श्री घनश्याम तिवाड़ी (राजस्थान) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि 1994 में 5 राज्यों के बीच यमुना जल के बंटवारे के बारे में समझौता हुआ था, वर्ष 1994 से लेकर अब तक वह 30 वर्षों तक यूं ही पड़ा रहा। मैं पिछली बार राज्य सभा में जब आया था, तब माननीय सभापति महोदय ने मुझे दो बार इस विषय को उठाने का अवसर दिया था, मैं उनको धन्यवाद दूंगा और मैं तत्कालीन जल संसाधन मंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को भी धन्यवाद दूंगा। हरियाणा, राजस्थान और भारत सरकार ने मिल कर यह समझौता कराया कि यह जो यमुना का सरप्लस फ्लड वाटर है - जो लगातार हरियाणा को मिलता है, उससे कोई संबंध नहीं है, लेकिन जो फ्लड वाटर है, उस फ्लड वाटर को विभाजित किया जाए और इसमें दोनों राज्यों के बीच में एक समझौता हो गया, जिसमें राजस्थान को चार महीने, जुलाई, अगस्त, सितम्बर और अक्टूबर तक 1917 क्यूसेक फ्लड वाटर मिलेगा। मुझे इस बात की खुशी है कि राजस्थान सरकार ने इस बार बजट में नई डीपीआर बनाने के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान